भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

10.03.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 1530

लीगो-इंडिया को मंजूरी

1530. श्री अविनाश राय खन्ना:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने लेज़र इन्टरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑबजरवेटरी (लीगो)-इंडिया को मंजूरी दे दी है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके उद्देश्य क्या हैं तथा इसके अंतर्गत कौन-कौन सी अनुसंधान परियोजनाओं को आरंभ करने का विचार है; और

(ख) इस परियोजना हेतु कितनी धनराशि का आबंटन किया गया है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह):

(क) तथा (ख) सरकार ने, भारत में, लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेवीटेशनल वेव ऑब्जरवेटरी (एलआईजीओ) की स्थापना करने हेतु सैद्धांतिक रूप से अनुमोदन प्रदान कर दिया है। लीगो-इंडिया परियोजना, कालटैक एवं मैसाच्युसैट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त राज्य अमरीका में संचालित 'लीगो' प्रयोगशाला के सहयोग से भारतीय भूमि पर आधुनिकतम ग्रैवीटेशनल वेव वेधशाला की स्थापना करेगी। यह परियोजना हमारे वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं को ग्रैविटेशनल वेव के क्षेत्र में गहन अनुसंधान करने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर खगोलीय क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करेगी। लीगो-इंडिया भारतीय उद्योग के लिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पर्याप्त अवसर प्रदान करेगा, जिसे समतल भूभाग पर परा-उच्च निर्वात की स्थिति में आठ किलोमीटर लंबी बीम ट्यूब के निर्माण में काम में लाया जाएगा। लीगो-इंडिया परियोजना का संयुक्त समन्वयन एवं निष्पादन, तीन शीर्ष भारतीय संस्थानों नामत: द इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए), पुणे, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर), गांधी नगर एवं राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र (आरआरकेट), इंदौर द्वारा किया जाएगा। देश के कुछ विश्वविद्यालय भी इस परियोजना में प्रतिभागिता करेंगे। परियोजना के लिए XII वीं योजना में 105 करोड़ रूपए का परिव्यय रखा गया है।

****